Nai Dunia (Indore), 3rd December 2024, Indore City Page – IV

शिक्षा का स्वरूप बदलने से पहले शिक्षकों को करना होगा अध्ययन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के शिक्षक। • सौजन्य आयोजक

- विज्ञान-गणित विषय वाले शिक्षकों को नई शिक्षण पद्धति से करवाया अवगत
- प्रशिक्षण कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय के 98 शिक्षकों ने लिया हिस्सा

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: आधुनिक शिक्षा पद्धति क्या है, समय के साथ शिक्षण पद्धति में क्या परिवर्तन हुआ है, बदलते दौर में विद्यार्थियों को किस तरह पढ़ाया जाए कि उनमें शिक्षा के प्रति रुचि भी बनी रहे और वे नवीन ज्ञान को सहजता से जान पाएं आदि बातों को जानने की ललक इस बार शिक्षकों में दिखी। शिक्षण पद्धति को और भी प्रभावी और आकर्षित बनाने की जब बात हुई तो शिक्षकों ने रुचि ली। और भी बेहतर ढंग से पढ़ाने के लिए पांच दिन के लिए शिक्षक ही विद्यार्थी बन गए।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) के गणित और विज्ञान के शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों और तकनीकों से अवगत करना है। शिक्षकों को नई टीचिंग स्कील के बारे में प्रशिक्षण दिया गया, क्योंकि वे विद्यार्थियों को प्रभावी ढंग से और अधिक आकर्षक तरीके से शिक्षा दे सकें। उद्घाटन इसरो के पूर्व अध्यक्ष और आइआइटी इंदौर के चेयरपर्सन डा. के सिवन ने किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में शिक्षकों की भूमिका अहम है। अब शिक्षा का स्वरूप बदलने लगा है, क्योंकि पढ़ाने से पहले शिक्षकों को अध्ययन करने की आवश्यकता है। तभी विद्यार्थियों को बेहतर ढंग से पढ़ाया जा सकेगा। वैसे विद्यार्थियों में विज्ञान और गणित में रुचि जगाने में शिक्षक ही अहम भूमिका अदा कर सकते है।

प्रशिक्षण का फोकस

- नई शिक्षण विधियां
- प्रौद्योगिकी का उपयोग
- समस्या-समाधान और विश्लेषणात्मक सोच
- सक्रिय शिक्षण रणनीतियां

प्रशिक्षण कार्यक्रम में 98 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इन्हें विज्ञान और गणित जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सिखाने के लिए आधुनिक शिक्षण तकनीकों को समझाया गया। शिक्षकों ने इंटरएक्टिव सत्र, कार्यशाला और व्यावहारिक गतिविधियों में हिस्सा लिया। डा. सिवन ने आइआइटी इंदौर की इस पहल को शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक सकारात्मक कदम बताया।

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि स्कूली शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य को आकार देते हैं। उनकी मेहनत से नई पीढ़ी की विचारधारा तय होती है, जो देश के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। छात्र-छात्राओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना प्रशिक्षण का उद्देश्य है।